A Grade by NAAC

A Category by MHRD

www.jvbi.ac.in

जैन विश्वभारती संस्थान की ओर से डॉ. अनिल धर, कुलसचिव, जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित तथा गिरधर ऑफसेट प्रिण्टर्स, लाडनूँ में मुद्रित एवं जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ (राजस्थान) में प्रकाशित। सम्पादक-नेपाल चन्द गंग

RNI-RAJBIL/2009/32418

Volume : 5, Issue : 1, January-June, 2013

Samvahini

Half Yearly Newsletter | Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun

A grade by NAAC

Greeting Letter

NAAC Re-accredited 'A' Grade

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
An Autonomous Institution of the University Grants Commission

प्रो. ए . एन. राय
निदेशक
Prof. A.N. Rai
Ph.D. (DUNDEE)
Director

NAAC/DS/RK/64-EC / 2013 July 9, 2013

Vice-Chancellor
Jain Vishva Bharati Institute (Deemed to be University)
Ladnun
Nagaur Dist-341306
Rajasthan

Dear Sir/Madam,

Greetings from NAAC!

I am glad to inform you that the outcome of the Assessment and Accreditation exercise of your institution has been processed and approved by the Executive Committee of NAAC and your institution has been ***Re-accredited*** for a period of five years with a **CGPA** of **3.11** on a four point scale at **A *Grade*** valid from 08/07/2013. The original certificate of accreditation with the quality profile will be presented to the heads of accredited institutions during the **"NAAC Accreditation Awards Ceremony"** to be convened in due course. I am sure the detailed peer team report given to you already by the peer team will enable the institution to initiate further quality enhancement measures.

With best wishes,
Yours sincerely,

(Prof. A.N. Rai)

पो बॉक्स नं. 1075, नागरभावी, बेंगलूर - 560 072, भारत P.O.Box No. 1075, Nagarbhavi, Bangalore - 560 072, INDIA
दूरभाष Phone : + 91-80-23210267, 23005112, 114, 115, Fax : +91-80-23210268
ई-मेल : e-mail: director.naac@gmail.com वेबसाइट Website : www.naac.gov.in

A category by MHRD

Greeting Letter

MHRD 'A' Category

No.F.9-26/2009-U.3(A)(Vol.5)
Government of India
Ministry of Human Resource Development
(Department of Higher Education)
*****

Shastri Bhawan, New Delhi.
Dated: 19th June, 2013

To,

The Vice-Chancellor,
Jain Vishwa Bharati Institute,
Ladnun, Rajasthan.

Subject:- **Review of the compliance report and the presentation made by Jain Vishwa Bharati Institute, Ladnun, Rajasthan before the Task Force – reg.**

Sir,

As you are aware, the Government constituted a Task Force to examine applications from institutions that need to take corrective measures to several criteria for satisfying the deemed university status regarding rectification of deficiencies pointed out by the Review Committee constituted by the Government to review the functioning of the existing deemed to be universities. Based on the compliance report and the presentation given by Jain Vishwa Bharati Institute, Ladnun, Rajasthan, the Task Force has transited Jain Vishwa Bharati Institute, Ladnun, Rajasthan from Category 'B' to Category 'A'. The Government has accepted the report and Jain Vishwa Bharati Institute, Ladnun, Rajasthan is placed in Category 'A'. The report of the Task Force is being uploaded on the website of Ministry of Human Resource Development.

Yours faithfully

(A.K.Singh)
Under Secretary (ICR),
011-23384897

Samvahini

वर्ष-5, अंक-1
जनवरी-जून, 2013
जैन विश्वभारती संस्थान
(अर्द्धवार्षिक समाचार पत्र)

संरक्षक
समणी चारित्रप्रज्ञा
कुलपति

सम्पादक
नेपाल चन्द गंग

सह-सम्पादक
समणी मीमांसा प्रज्ञा

डिजाईन एण्ड ले-आउट
मोहन सियोल

कम्प्यूटर सहयोग
पवन सैन

कार्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूँ - 341306
नागौर, राजस्थान
दूरभाष : (01581) 226110 226230
फैक्स : (01581) 227472
E-mail : jvbiladnun@gmail.com
Website : www.jvbi.ac.in

सम्पादकीय

पुनर्मूल्यांकन

अपने विकास की बुलन्दियों को छूता जैन विश्वभारती संस्थान अपनी विकास यात्रा के उस मुकाम पर पहुंच गया है, जहाँ वह एक अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का स्वरूप लेने को तैयार है।

किसी भी संस्थान की उपलब्धियों, विशिष्टताओं को उसकी गुणवत्ता के मूल्यांकन द्वारा ही जाना जा सकता है। अप्रेल 2013 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के दल ने जैन विश्वभारती संस्थान का पुनर्मूल्यांकन किया। दल के प्रधान प्रो. आर. बी. त्रिपाठी ने एक्जीट मिटिंग में जो शब्द संस्थान के लिए कहे वह किसी भी संस्थान के लिए गौरव की बात है। पुनर्मूल्यांकन दल ने संस्थान के पुनर्मूल्यांकन के दौरान यह स्वीकार किया कि जैन विश्वभारती संस्थान एक ऐसा विश्वविद्यालय है जहां साधन के साथ-साथ साधना भी है। इस संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की बनने की गुणवत्ता एवं क्षमता मौजूद है। जहां भारत के शीर्षस्थ शैक्षिक आयोग का पुनर्मूल्यांकन दल इस संस्थान के बारे में इतने उच्च विचार रखता है वहाँ इस विश्वविद्यालय की गुणवत्ता स्वयं सिद्ध हो जाती है। भारत सरकार के मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय ने इस विश्वविद्यालय को 'ए'केटेगरी प्रदान की है।

जैन विश्वभारती संस्थान अपने लक्ष्य की ओर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। पिछले 22 वर्षों में जो उपलब्धियाँ इस संस्थान ने हासिल की है उसी का परिणाम है कि आज यह एक विशाल एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप ले रहा है।

यह शुभ संयोग है कि इसी वर्ष संस्थान के अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण का चातुर्मास प्रवास भी जैन विश्वभारती में है। उनके दूरदर्शी चिन्तन एवं कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा की सामयिक सोच संस्थान को विकास की असीम ऊंचाईयाँ प्रदान करेगा।

संस्थान अपने उपलब्ध साधनों के पांखों को तौलकर विकास के असीम आकाश में उड़ने को तैयार है।

-नेपालचन्द गंग

NAAC Peer Team Visit

जैन विश्वभारती संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का विश्वविद्यालय बनने की गुणवत्ता है –प्रो. आर.बी. त्रिपाठी

जैन विश्वभारती संस्थान की गुणवत्ता के पुनर्मूल्यांकन हेतु राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् के छः सदस्यीय दल का 8 अप्रैल को संस्थान में स्वागत किया गया। प्रो. आर.बी. त्रिपाठी कुलपति राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली की अध्यक्षता में प्रो. अशोक ऐमा, डा. साधना दोनेरिया, प्रो. रामजी राय, प्रो. एल.बी. मल्होत्रा, डा. प्रद्युम्न दूबे दल में शामिल थे। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कान्फ्रेन्स हॉल में संस्थान का पूर्ण विवरण दल के समक्ष प्रस्तुत किया। संस्थान की आंतरिक गुणवत्ता समिति के निदेशक प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने गुणवत्ता मूल्यांकन दल के समक्ष संस्थान की सभी गतिविधियों की जानकारी विस्तार पूर्वक दी। 8 से 11 अप्रेल तक किए गए पुनर्मूल्यांकन कार्य के अन्तर्गत दल ने सभी शैक्षिक विभागों, पुस्तकालय, आर्ट गेलरी, योग केन्द्र, आयुर्वेदिक औषधालय, पुरूष छात्रावास, महिला छात्रावास, यूजीसी क्वार्टर, गेस्ट हाऊस, खेल मैदान, ऑपन थियेटर, जिम, एन.एस.एस., एन.सी.सी. कॅरियर काउन्सलिंग सेल, रेमेडियल कोचिंग सेल, पब्लिकेशन सेल, एन्टीरेंगिंग सेल, कम्प्यूटर लेब, लेंग्वेज लेब, स्टाफ क्वार्टर, परीक्षा विभाग, प्रवेश शाखा, प्लेसमेन्ट सेल, एल्यूमिनी समिति आदि का अवलोकन कर सम्बन्धित जानकारी प्राप्त की। जैन विश्वभारती संस्थान को पूर्व में 2003 में किए गए मूल्यांकन में बी ग्रेड मिला है। अब 2013 में पूनर्मूल्यांकन किया गया है। पुनर्मूल्यांकन कार्य पूर्ण होने पर आयोजित एक्जिट मिटींग में दल के अध्यक्ष प्रो. आर.बी. त्रिपाठी ने उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार को सम्बोधित करते हुए कहा कि मूल्यांकन के दौरान हमने पाया कि गत दस वर्षों से विश्व विद्यालय ने विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायी है। यह विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च संस्थान बनने की गुणवत्ता रखता है। शिक्षा के क्षेत्र में मूल्यों के समावेश के कारण यह एक विलक्षण विश्वविद्यालय है। यह विश्वविद्यालय अपने अनुशास्ता आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ एवं आचार्य महाश्रमण की दृष्टि, चिन्तन एवं सपनों का साकार रूप है। इस विश्व विद्यालय ने गुणवत्ता मूल्यांकन जैसा साहसिक कदम उठाया, इसके लिए संस्थान को बधाई। प्रो. त्रिपाठी ने संस्थान के और अधिक विकास हेतु अनेक सुझाव दिए। उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए प्रो. अशोक ऐमा ने कहा कि यह संस्था विशेष मूल्यों के साथ कार्य कर रहा है। यह एक गुरूकुल के समान है। प्रो. ऐमा ने संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा को प्रतिवेदन की प्रति भेंट की। कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा ने दल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम संस्थान के और अधिक विकास के लिए दिए गए सुझावों पर विचार विमर्श करेंगे और इस आधार पर आगे की दिशा तय करेंगे। संस्थान के छात्र-छात्राओं ने योग का प्रदर्शन किया एवं मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

> “आज प्राय: विश्वविद्यालयों में कहीं केवल साधन है तो कहीं केवल साधना है। परन्तु जैन विश्वभारती संस्थान में साधन एवं साधना दोनों का समावेश है।”
>
> – प्रो. आर.बी. त्रिपाठी
>
> **Chairman, UGC NAAC Peer Team**

प्रेरणा

जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) जैन समाज की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह संस्थान साधुओं तथा साध्वियों के लिए ही नहीं आम जनता के लिए भी एक अच्छा अवसर प्रदान करता है कि वे जैन धर्म एवम् अन्य विषयों का अध्ययन कर औपचारिक डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। आचार्य श्री तुलसी तथा आचार्य श्री महाप्रज्ञजी की दृष्टि सदैव इस संस्थान के विकास की ओर रही थी। इस संस्था के छात्रों और संकायों का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन करना ही ना हो, अपितु इस ज्ञान का क्रियान्वयन ही मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। शुभाशंसा।

आचार्य महाश्रमण

शिक्षा एवं शोध हेतु अनुदान दीजिए

जैन विश्व भारती संस्थान

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत घोषित मान्य विश्वविद्यालय

शिक्षा एवं शोध हेतु अनुदान दीजिए

जैन विश्व भारती संस्थान शिक्षा फण्ड के तहत न्यूनतम

₹ 5000

का अपना महत्वपूर्ण अनुदान देकर शिक्षा एवम् शोध कार्य को बढ़ावा देने में संस्थान का सहयोग करें।

जैन विश्व भारती संस्थान एज्युकेशन फण्ड एवम् आचार्य तुलसी स्मारिका

- इस शिक्षण संस्थान के विकास हेतु यह चिन्तन किया गया है कि एक स्थाई कोष का निर्माण किया जाए, जिसका नाम होगा - 'जैन विश्वभारती संस्थान एज्युकेशन फण्ड'। इस कोष में प्रत्येक व्यक्ति रु. 5000 या उससे अधिक की राशि अनुदान स्वरूप दे सकता है।
- जैन विश्व भारती एज्युकेशन फण्ड के तहत एक स्मारिका "Acharya Tulsi : A Tribute" का प्रकाशन हो। इस स्मारिका हेतु विज्ञापन सादर आमंत्रित हैं। स्मारिका की विज्ञापन दरें निम्नोक्त हैं :-

Wrapper Back Multicolor Page	Rs. 11,00,000	Wrapper Front Inside Multicolor Page	Rs. 5,00,000
Wrapper Back Inside Multicolor Page	Rs. 5,00,000	Book Inside Multicolor Full Page	Rs. 1,00,000
Book Inside Multicolor Half Page	Rs. 50,000	Book Inside Multicolor Quarter Page	Rs. 25,000

उपरोक्त दोनों योजनाओं को साकार रूप देने के लिए आपका सहयोग सादर अपेक्षित है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपका आत्मीय-भाव संस्थान के प्रति बना रहेगा। अपने सहयोग हेतु आप सम्पर्क कर सकते हैं :-

धर्मचन्द लुंकड़ — मोबाइल : 98401 66699

प्यारेलाल पितलिया — मोबाइल : 98410 36262

संयुक्त संयोजक

जैन विश्वभारती संस्थान एज्युकेशन फण्ड

आप अपना अनुदान निम्न बैंक खातों में भी जमा करवा सकते हैं :- Account Name : "JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE"

State Bank Of India - Account no. - 11261885325 Branch - Ladnun, Rajasthan IFSC code no. - SBIN0007093

Oriental Bank of Commerce - Account no. - 10272111000010 Branch - Ladnun, Rajasthan IFSC code no. - ORBC0101027

State Bank of Bikaner and Jaipur - Account no - 51057700213 Branch - Ladnun, Rajasthan IFSC code no - SBBJ00101112

जैन आगमों में दार्शनिक तत्त्व विषयक कार्यशाला

संस्थान के जैन विद्या विभाग, संस्कृत एवं प्राकृत एवं अनेकान्त शोध पीठ द्वारा सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 8 से 14 अप्रेल तक आयोजित की गयी।

कार्यशाला में डा. प्रद्युम्न शाह सिंह के नेतृत्व में पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग के 22 विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। संभागियों को प्रो. दामोदर शास्त्री, डा. समणी ऋजुप्रज्ञा, डा. अनिल धर, डा. योगेश जैन, डा. समणी कुसुमप्रज्ञा, डा. समणी चैत्यप्रज्ञा, डा. सत्यनारायण भारद्वाज ने सम्बोधित किया।

NATIONAL WORKSHOP

मधुमेह (शुगर) रोग से मुक्ति का स्वर्णिम अवसर

जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा श्री नरेश कुमार जैन, नई दिल्ली के आर्थिक सौजन्य से वरिष्ठ चुम्बक चिकित्सक एवं ध्यान-योग विशेषज्ञों की देखरेख में मधुमेह (शुगर) का उपचार प्रारम्भ

यदि आप निम्न लक्षणों से ग्रस्त हैं तो आपको मधुमेह हो सकता है-

1. अधिक भूख लगना
2. अधिक प्यास लगना
3. अधिक पेशाब लगना
4. लगातार वजन कम होना
5. शरीर में लगे घाव का लंबे समय तक न भरना।

इलाज एवं इससे संबंधित खून एवं मूत्र की सभी जांचें निःशुल्क की जाएँगी।

इस इलाज का कोई साइड इफैक्ट भी नहीं है।

स्थान : आरोग्यम्, जैन विश्व भारती परिसर लाडनूं समय : प्रातः 8.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक

पंजीकरण एवं चिकित्सा संबंधी जानकारी के लिए संपर्क करें-

डॉ. जयदेव मालपुरी, 9828630371 **प्रोफेसर जे. पी. एन. मिश्रा**, 9413142003

C.S. / C.A. बनने का स्वर्णिम अवसर

कॉमर्स विषय के विद्यार्थियों के लिए
पहली बार दिल्ली के
प्रतिष्ठित विद्वानों के द्वारा
सैटेलाइट के माध्यम से
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ में
उच्च स्तरीय कक्षाओं की सुविधा प्रारम्भ।

सैटेलाईट शिक्षण के साथ-साथ सप्ताहान्त में परामर्श हेतु शिक्षक सुविधा

सौजन्य : एस.एम. नाहटा फाउण्डेशन, कोलकाता

कोर्स अगस्त माह से शुरु

www.jvbi.ac.in

jvbiladnun@gmail.com

छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधा

सम्पर्क सूत्र : युवराज सिंह खंगारोत (कोर्डिनेटर) 9413968766

Dept. of Science of Living, Preksha Meditation & Yoga

7 दिवसीय शैक्षिक भ्रमण

जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग ने विद्यार्थियों के 7 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया। उक्त प्रयोजन हेतु दिल्ली क्षेत्र के दो प्रमुख योग संस्थानों MDNIY तथा अध्यात्म साधना केन्द्र, छतरपुर, नई दिल्ली का चयन किया गया। उक्त अवधि में MDNIY में राष्ट्रीय योग सप्ताह-2013 का आयोजन हो रहा था, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने सहभागिता दर्ज कराई। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए आध्यात्मिक ज्ञानवर्धक रहा। विद्यार्थियों को योग विषय के प्रतिष्ठित विद्वानों को जानने व सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। योग क्षेत्र के विभिन्न विद्वानों के सम्पर्क से एक तरफ जहां उनकी विषय की जानकारी संपुष्ट हुई, वहीं दूसरी तरफ देश-विदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित योग संस्थानों के बारे में जानने का अवसर भी प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय योग संस्थान में विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने 'योग द्वारा जनरेशन गेप को कैसे दूर किया जाए' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। इसके साथ ही इन्होंने एक सत्र की अध्यक्षता भी की। राष्ट्रीय योग सप्ताह-2013 में विभाग के संकाय सदस्यों डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, आलोक कुमार ने विभिन्न विषयों पर पत्र वाचन किये। उक्त योग सप्ताह में देश के प्रतिष्ठित योग संस्थानों द्वारा विभिन्न विषयों पर आयोजित कार्यशालाओं में योग के विभिन्न आयामों के सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक अभ्यास भी करवाये गये। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए रुचिकर रहा और छात्र-छात्राओं ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में सहभागिता के लिए अपनी इच्छा व्यक्त की।

होली पर्व का आयोजन

भारतीय संस्कृति के रंगों के त्यौहार होली में भी विभाग के छात्र-छात्राओं में उत्साह, उमंग का माहौल था। छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों के साथ गुलाल व रंग लगाकर होली खेली। होली के इस त्यौहार में एक-दूसरे के प्रति स्नेह और सहकार के भाव के साथ विभाग के संकाय सदस्यों ने भी सौम्य ढंग से होली खेली।

विदाई समारोह आयोजित

जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के पूर्वार्द्ध के विद्यार्थियों द्वारा उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों को विदाई देने हेतु विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तन्मयता से जागरूक रहने की प्रेरणा दी और सभी संकाय सदस्यों ने सभी विद्यार्थियों हेतु उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना प्रेषित की।

बसन्त पंचमी पर्व मनाया

14 फरवरी को विभाग में बसंत पंचमी पर्व को उल्लास पूर्वक मनाया गया। इस आयोजन में प्रो. बच्छराज दूगड़ एवं प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने सरस्वती माता की पूजा-अर्चना की। अहिंसा एवं शांति विभाग, अनेकान्त शोधपीठ और जीवन-विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के सभी सदस्य और छात्र-छात्राओं ने वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ विद्यादायिनी सरस्वती माता की पूजा-अर्चना की। इस कार्यक्रम में डॉ. अनिल धर, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत, डॉ. रविन्द्र राठौड़, डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज, डॉ. युवराजसिंह खांगारोत, डॉ. विवेक माहेश्वरी एवं आलोक कुमार आदि विभिन्न संकाय सदस्य उपस्थित थे।

अहिंसा एवं शांति विभाग

अहिंसा के प्रयोग से ही जीवन में खुशहाली संभव : प्रो. बच्छराज दूगड़

जीवन में लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हिंसक व अहिंसक दोनों ही साधन होते हैं किंतु जो भी लक्ष्य अहिंसक साधनों से प्राप्त होते हैं वह स्थायी तथा दीर्घकालीन होते हैं। उपरोक्त विचार जैन विश्वभारती संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बच्छराज दूगड़ ने भारतीय सीनियर सैकेण्डरी विद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर में शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए प्रो. दूगड़ ने कहा कि हिंसक व्यक्ति को भी किसी न किसी रूप में अहिंसा को अपने जीवन में लाना होता है। इसलिए हम जितना ज्यादा अहिंसक बनेंगे, जितना ज्यादा अहिंसा का प्रयोग करेंगे, हमारा जीवन उतना ही खुशहाल बनेगा। इसलिए आज के युग में आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं को अहिंसा का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाए।

डॉ. अनिल धर ने अहिसा प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए कहा कि यद्यपि एक या दो दिन के प्रशिक्षण से पूर्ण अहिंसक बनना संभव नहीं है किंतु ऐसे प्रशिक्षण शिविरों से अहिंसा के बीज का वपन होता है जो आगे चलकर एक अहिंसक व्यक्तित्व के रूप में पल्लवित होता है। डॉ. समणी सत्यप्रज्ञा ने अहिंसक प्रतिकार के सम्बन्ध में महात्मा गांधी को उद्धृत करते हुए विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। समणी रोहिणीप्रज्ञा ने अहिंसा प्रषिक्षण की तकनीक की जानकारी देते हुए इसके चारों आयामों- हृदय परिवर्तन, दृष्टिकोण परिवर्तन, जीवन शैली परिवर्तन और व्यवस्था परिवर्तन का संक्षिप्त परिचय देते हुए जीवन में अहिंसा के प्रयोग के छोटे-छोटे सूत्र बताए।

डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने अहिंसा और पर्यावरण के सम्बन्ध को उजागर करते हुए पर्यावरण शुद्धि के संदर्भ में विद्यार्थियों के दायित्व बोध को उजागर किया। प्रायोगिक प्रशिक्षण के संदर्भ में जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के योग प्रशिक्षक श्री आलोक पाण्डेय ने कायोत्सर्ग, ज्योति केन्द्र प्रेक्षा, महाप्राण ध्वनि आदि का अभ्यास विद्यार्थियों को करवाया।

इस एक दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण के आयोजन में अहिंसा एवं शांति विभाग के पूर्वार्द्ध व उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों विकास शर्मा, हरीश शर्मा, लक्ष्मी सिंघी एवं अनूप खोजा आदि का सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में ज्ञापन डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ एवं संचालन डॉ. वन्दना कुण्डलिया ने किया।

वैश्विक समस्याओं का समाधान गांधी दर्शन में निहित : प्रो. बच्छराज दूगड़

वर्तमान में विश्व समुदाय आतंकवाद, युद्ध के खतरे, धार्मिक कट्टरता, पर्यावरण असंतुलन और एक ऐसी आर्थिक व्यवस्था में जी रहा है जिसमें आर्थिक और सामाजिक असमानता बढ़ रही है। विश्व की आबादी का एक बड़ा भाग गरीबी, हिंसा और शोषण से ग्रस्त है। ऐसी स्थिति से उबरने के लिए गांधी दर्शन में निहित सिद्धान्त कारगर हो सकते हैं। उपरोक्त विचार जैन विश्वभारती संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग में महात्मा गांधी की पुण्य तिथि शहीद दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में विभागाध्यक्ष प्रो. बच्छराज दूगड़ ने व्यक्त किए। प्रो. दूगड़ ने वैश्विक समस्याओं के समाधान में गांधी चिंतन की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधी द्वारा प्रदत्त अहिंसा, सत्याग्रह और आर्थिक नीति विश्व को शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करते हैं। यद्यपि आज गांधी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता को विश्व स्तर पर स्वीकार किया जाने लगा है। प्रो. दूगड़ ने आगे कहा कि गांधी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम गांधी के मूल्यों को आत्मसात कर उसका प्रयोग स्वयं से प्रारंभ करेंगे। अहिंसा एवं शांति विभाग में शहीद दिवस पर आयोजित इस संगोष्ठी में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि अब यह महसूस किया जाने लगा है कि गांधी की विचारधारा वर्तमान के अशांति व तनाव के दौर में शांति प्राप्त करने का बेहतर विकल्प है। विश्व अधिकाधिक रूप से गांधी की सोच को मान्यता दे रहा है।

डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने राजनैतिक परिप्रेक्ष्य में गांधी के विचारों व चिंतन को स्पष्ट करते हुए कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए अहिंसक व उग्र प्रतिक्रियावादी रास्ते पर चलने की बात करने वाले विश्व नेताओं को गांधी के दर्शन से सीख लेने की जरूरत है। यही गांधी के प्रति सच्ची व शाश्वत श्रद्धांजलि होगी।

विभाग के शोधार्थी विकास शर्मा एवं विद्यार्थियों अनीता कंवर, जेठी चौहान, तृप्ति भोजक, गजराज चारण, चेतना प्रजापत आदि ने विभिन्न परिप्रेक्ष्यों में गांधी के चिंतन को स्पष्ट कर शहीद दिवस पर गांधी के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अभिव्यक्त की। संगोष्ठी का संचालन अहिंसा एवं शांति विभाग की सहायक आचार्य डॉ. वंदना कुण्डलिया ने किया।

समाज कार्य विभाग

असंगठित श्रमिक एवं सामाजिक सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

संस्थान के समाज कार्य विभाग द्वारा इण्डियन कॉउन्सिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, न्यू दिल्ली के आर्थिक सौजन्य से 'असंगठित श्रमिक एवं सामाजिक सुरक्षा' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन 5 से 6 मई तक किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य समाज कार्य शिक्षण एवं शोध से जुड़े हुए सहभागी गण तथा स्वयंसेवी संगठन के अभ्यासकर्त्ताओं को असंगठित श्रमिकों की समस्याएं, बाल श्रम, महिला श्रमिकों के साथ अन्याय आदि विषय पर जागरूक करना था। उद्घाटन समारोह की अध्यक्ष कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने संभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बाल श्रम जैसी सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए हम सभी को सम्मिलित प्रयास करना होगा।

इस अवसर पर डॉ. मनोज भट्ट आई.जी. राजस्थान पुलिस ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि असंगठित श्रमिकों के साथ न्याय नहीं हो रहा है। समाज के सभी बुद्धिजीव वर्गों को इसके लिए प्रयास करना होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. विद्या राव ने अपने स्वागत भाषण में संगोष्ठी के विषय पर प्रकाश डालते हुए सभी संभागियों का स्वागत किया। आगन्तुकों का परिचय सहायक आचार्य डा. बिजेन्द्र प्रधान ने दिया। आभार ज्ञापन सहायक आचार्य पुष्पा मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य प्रतापचन्द बेहरा ने किया। संगोष्ठी का विषय मुख्यतः सोशल सेक्यूरिटी एक्ट 2008, कल्याणकारी योजनायें बाल श्रम, असंगठित महिला श्रमिक, श्रम संघ आदि था। संगोष्ठी में आयोजित विभिन्न छः सत्रों में 30 पत्रों का वाचन किया गया। जिनमें दिल्ली, केरल, उदयपुर, लखनऊ इत्यादि विश्वविद्यालयों के विद्वानों ने पत्र वाचन किये। जोधपुर से उन्नती नामक संस्था, एम.एल. पी.सी. के निर्देशक राणा सेनगुप्ता, वनस्थली विद्यापीठ के सत्येन्द्र, जयपुर विश्वविद्यालय के लगभग 15 छात्र आदि संगोष्ठी में सम्मिलित थे। सभी ने एक स्वर में बाल श्रम, महिला श्रमिक, असंगठित श्रमिक की समस्याओं के समाधान के लिए सम्मिलित प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। समापन के अवसर पर लेबर कमिश्नर पारीक ने भी अपना उद्बोधन दिया।

Extension Activities

दिनाँक 02 जनवरी 2013 को आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना केन्द्र शहरियाबास, निम्बी जोधा, दुजार एवं हरिजन बस्ती में निबंध लिखने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय 'दीपावली त्यौहार' रखा गया। इस प्रतियोगिता में सभी ATSP केन्द्रों के लगभग 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

दिनाँक 07 जनवरी 2013 को आचार्य महाप्रज्ञ महिला सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र दुजार, बड़ी ईदगाह के पास सूनारी रोड़, एवं हरिजनबस्ती में सजावटी गुड्डे बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रशिक्षणार्थियों ने रूई, फैविकोल एवं सजावटी सामान से अपनी पंसद के गुड्डे बनाए।

दिनाँक 06 फरवरी 2013 को आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना केन्द्र शहरियाबास, हरिजनबस्ती, दुजार एवं निम्बीजोधा में 'लोक नृत्य प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सभी ATSP केन्द्रों के लगभग 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विस्तार निदेशालय द्वारा दिनाँक 22 फरवरी 2013 को आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना केन्द्र शहरियाबास, हरिजनबस्ती, दुजार एवं निम्बीजोधा में 'सांस्कृतिक कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थानी एवं देशभक्ती संगीत पर नृत्य, नाटक एवं संगीत गायन किया गया।

दिनाँक 12 मार्च 2013 को आचार्य महाप्रज्ञ महिला सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र दुजार, हरिजनबस्ती, मगराबास, सब्जीमण्डी एवं रेगरबस्ती में सजावटी बान्दरवाल बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लेकर सजावटी बान्दरवाल बनाई। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी प्रतिभागियों ने रंगीन कपड़ा, रंगीन ऊन एवं सजावटी सामान के द्वारा अपनी पसंद की बान्दरवाल बनाकर अपनी हस्तकला कौशल का परिचय दिया।

शिक्षा विभाग

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती

संस्थान में 12 जनवरी 2013 को विवेकानन्द जयन्ती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, बी.एड. एवं एम.एड. छात्राध्यापिकाओं ने भाग लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

संस्थान के शिक्षा विभाग में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड. एवं एम.एड. की छात्राध्यापिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। विभाग के शैक्षिक सदस्यों ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

त्रिदिवसीय शैक्षिक भ्रमण

संस्थान के शिक्षा विभाग की छात्राध्यापिकाओं का 3 से 7 मार्च 2013 तक त्रिदिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। भ्रमण दल ने ओसियां, भीनमाल, नाकौड़ा, जसोल, पावापुरी व आसोतरा तीर्थ स्थलों का अवलोकन किया। इस दल में संकाय सदस्य एवं बी.एड. व एम.एड. छात्राध्यापिकाएं शामिल थे।

महाशिवरात्री पर्व का आयोजन

संस्थान के शिक्षा विभाग के अन्तर्गत महाशिवरात्री पर्व का आयोजन 9 मार्च को किया गया। छात्राध्यापिकाओं ने भजन संगीत प्रस्तुत किए।

सांस्कृतिक प्रतियोगिता

मई के प्रथम सप्ताह में संस्थान के शिक्षा विभाग में सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में रंगोली, मेहन्दी, वाद-विवाद, कविता, आशुभाषण, आशुकविता, कहानी-कथन, पोस्टर पेन्टींग, प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं।

प्रचार भाषण माला

संस्थान के शिक्षा विभाग में 12 मार्च को आयोजित प्रसार भाषण माला कार्यक्रम में विभिन्न विद्वानों ने शिक्षा संबंधी विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये।

गुरूनानक जयन्ती

संस्थान के शिक्षा विभाग में गुरूनानक जयन्ती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एल. जैन ने की तथा इसमें बी.एड. तथा एम.एड. छात्राध्यापिकाओं ने हिस्सा लिया।

खेलकूद प्रतियोगिता

अप्रेल के अंतिम सप्ताह में शिक्षा विभाग के अन्तर्गत खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संभागी छात्राध्यापिकाओं को कुलसचिव परमेश्वर शर्मा एवं विभागाध्यक्ष बी.एल.जैन ने संबोधित किया।

महावीर जयन्ती का आयोजन

संस्थान के शिक्षा विभाग में 23 अप्रेल को महावीर जयन्ती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राध्यापिकाओं ने भजन, गीत, वक्तव्य के माध्यम से भगवान महावीर के संदेशों को अभिव्यक्त किया। विभाग के संकाय सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

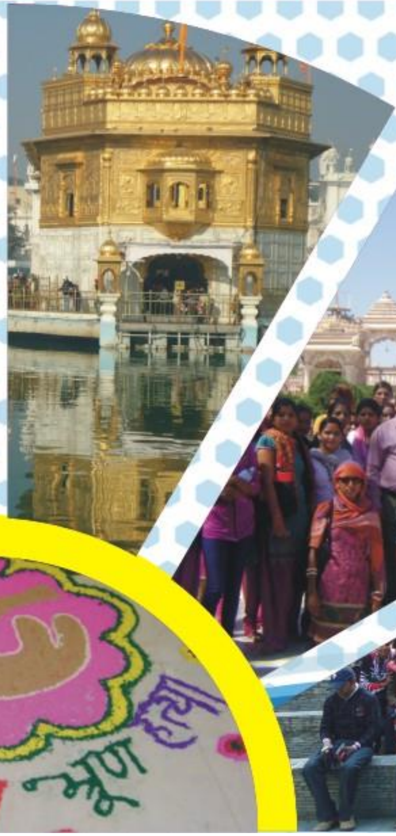

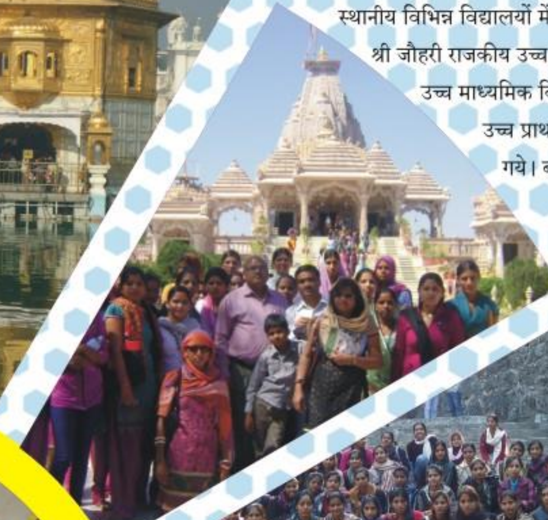

ब्लॉक टीचिंग कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा 31 जनवरी से 8 फरवरी तक ब्लॉक टीचिंग कार्यक्रम स्थानीय विभिन्न विद्यालयों में चलाया गया। चालू सत्र का यह कार्यक्रम शहर के श्री जौहरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजकीय भूतोड़िया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, न्यू बाल निकेतन, मॉडर्न स्कूल, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नं. 1 विद्यालयों में आयोजित किये गये। ब्लॉक टीचिंग कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षण कार्य के अतिरिक्त साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेल-कूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के सभी संकाय सदस्य डॉ. बी.एल. जैन, डॉ. मनीष भटनागर, बी.प्रधान, डॉ. अमिता जैन, डॉ. सरोज राय, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. गिरिराज भोजक, डॉ. आभा सिंह एवं गिरधारीलाल शर्मा के मार्गदर्शन में छात्राध्यापिकाओं ने उत्साहपूर्वक अपना योगदान दिया।

Dept. of English

National Conference

March 03-04, 2013

Teaching English to Socially and Culturally Marginalized Learners

JVBI, Ladnun

अंग्रेजी पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेन्स

संस्थान के अंग्रेजी विभाग एवं अनुसूचित जाति, अनु. जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, बी.पी.एल. सेल के संयुक्त तत्वावधान में सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी शिक्षण विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कान्फ्रेन्स 3 एवं 4 मार्च को आयोजित किया गया। कान्फ्रेन्स का उद्घाटन करते हुए राजस्थान राज्य अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष मो. माहिर आजाद ने अल्प संख्यक आयोग की उपयोगिता एवं महत्ता पर प्रकाश डाला। प्रो. आर.पी. भटनागर एवं एन. कृष्णा स्वामी ने अंग्रेजी भाषा की वर्तमान स्थिति, महत्ता एवं आवश्यकता पर बल दिया। कान्फ्रेन्स में अंग्रेजी भाषा के विस्तार के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा हुई। कान्फ्रेन्स में इग्नू की प्रो. सुनयना कुमार, प्रो. मालती माथुर, उदयपुर के प्रो. एस.के. अग्रवाल, हरियाणा के प्रो. चिण्डालिया, बैंगलौर के प्रो. ललिता कृष्णास्वामी, बीकानेर के प्रो. एस.के. अग्रवाल, डा. अरूण जोशी, डा. दिव्या जोशी, कोटा के डा. राजेश कुमार लिडिया, जोधपुर के डा. सतीश कुमार हारीत, सुजानगढ़ के प्रो. मेघराज खत्री, डीडवाना के डा. मोना शर्मा आदि विद्वानों ने अपने-अपने विचार रखे।

Directorate of Distance Education

जयपुर सम्पर्क केन्द्र पर कक्षाओं का आयोजन

विभिन्न सम्पर्क केन्द्रों पर अध्ययन की व्यवस्था

दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सम्पर्क कक्षाओं का अत्यधिक महत्त्व है। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने अपने वक्तव्य में बताया कि सम्पर्क कक्षाओं के अन्तर्गत विद्यार्थियों को जहाँ एक तरफ सम्पूर्ण पाठ्यक्रमों से परिचित करवाया जाता है, वहीं दूसरी तरफ उनकी सम्पूर्ण समस्याओं का निराकरण भी करवाया जाता है। सत्र 2012-13 में जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के 24 सम्पर्क केन्द्र, बी.ए. तथा एम.ए. जैन विद्या के 25 सम्पर्क केन्द्र, एम.ए. शिक्षा के 3 सम्पर्क केन्द्र, एम.ए. हिन्दी एवं अंग्रेजी के 1-1 सम्पर्क केन्द्र तथा बी.लिब. के 2 सम्पर्क केन्द्रों पर विद्यार्थियों की समस्याओं को समाहित किया गया।

जैन विश्वभारती संस्थान लाडनूं द्वारा संचालित दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के नियमानुसार जयपुर सम्पर्क कक्षा केन्द्र पर बी.ए. (जीवन-विज्ञान) की सम्पर्क कक्षाओं का समणी मल्लिप्रज्ञा, पूर्णप्रज्ञा एवं पुनीतप्रज्ञा के निर्देशन में समायोजन 15 मई से 13 जून 2013 तक किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यापन, प्रशिक्षण एवं व्यवस्थाओं में डा. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी निदेशक दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, योगेन्द्र शर्मा, जयपुर क्षेत्रीय समन्वयक (काडिनेटर), महेन्द्र कुमावत (प्रशिक्षक) जैन विश्वभारती, उमेन्द्र गोयल, रीना गोयल, कृष्णपाल मल्लिक का सक्रिय सहयोग रहा। सिद्धान्त और प्रायोगिक प्रशिक्षण की कक्षाएं नियमित चलीं।

भावी योजना के अन्तर्गत जयपुर सम्पर्क केन्द्र पर प्रति रविवार स्तरीय कक्षाओं के संपादन का निर्णय लिया गया। व्यवस्था के सम्यक संपादन हेतु स्थानीय सभा के प्रतिनिधि लक्ष्मीकान्त कोठारी को कार्यक्रम का संयोजक, रीना गोयल को समन्वयक तथा सह समन्वयक योगेन्द्र शर्मा को बनाया गया तथा संचालक समिति का भी निर्माण किया गया। स्थानीय व्यवस्था में महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल विद्यालय के अधिकारी वर्ग, कर्मचारी वर्ग का भी सराहनीय सहयोग रहा।

For DDE Courses Detail please visit our website : www.jvbi.ac.in

Contact : 01581-226110 (Ext. 201)

E-mail : dde@jvbi.ac.in

Admissions have been started for new session.

Acharya Kalu Kanya Mahavidyalaya

Farewell 2013

सांस्कृतिक कार्यक्रम

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के अन्तिम वर्ष की छात्राओं द्वारा 23 मार्च को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि सांस्कृतिक चेतना से जीवन का विकास संभव है। महिला शिक्षा से समाज की बुनियाद सुदृढ़ हो सकती है। इस अवसर पर श्रेष्ठ छात्रा के रूप में मिलन जैन एवं श्रेष्ठ सीनियर के रूप में विजयलक्ष्मी राजपुरोहित को सम्मानित किया गया।

अन्तर्महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं कॅरियर काउन्सलिंग सेल द्वारा 'महिला असुरक्षा का कारण सुप्त प्रशासन' विषय पर अन्तर्महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता 22 फरवरी को आयोजित की गई। प्रतियोगिता में सुजानगढ़, डीडवाना, साण्डवा, सालासर, जसवंतगढ़, रतनगढ़ आदि कुल 10 महाविद्यालयों के 40 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में जैन विश्वभारती संस्थान की अंग्रेजी विभाग की छात्रा दिव्या किल्ला प्रथम, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की ऋतु राजपुरोहित द्वितीय एवं बांगड़ राजकीय महाविद्यालय डीडवाना के छात्र अभिषेक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायकगण कर्नल अनुप अग्रवाल, विशेषाधिकारी नेपालचन्द गंग एवं डॉ. वीरेन्द्र भाटी थे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मंच का संचालन समन्वयक डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने किया। अन्त में डॉ. तृप्ति जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

नशामुक्ति रैली

संस्थान की आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई द्वारा 1 अप्रेल को आयोजित शिविर में स्वयंसेविकाओं द्वारा नशा मुक्ति रैली निकाली गयी एवं नशा मुक्ति संकल्प पत्र भरे गए। कार्यक्रम अधिकारी ने सेवा की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले स्वयं सेविकाओं को पुरस्कृत किया गया।

अन्तर्महाविद्यालय कविता प्रतियोगिता

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के अन्तर्गत कॅरियर काउन्सलिंग सेल द्वारा अन्तर्महाविद्यालय कविता प्रतियोगिता का आयोजन 23 फरवरी को किया गया। मुख्य अतिथि कर्नल अनूप अग्रवाल ने प्रतियोगिओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि कन्याएं आज हर क्षेत्र में पुरूषों के बराबर भाग ले रही हैं। देश की सेना में भी कन्याओं का योगदान बढ़ता जा रहा है। प्रतियोगिता में विजयलक्ष्मी राजपुरोहित प्रथम, रेखा प्रजापत द्वितीय एवं गजराज चारण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

स्वास्थ्य चेतना कार्यशाला

29 जनवरी को संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा आयोजित एवं निदेशालय, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान सरकार द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय स्वास्थ्य चेतना, योग एवं युवा कार्यशाला के संभागियों को सम्बोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि युवा राष्ट्र की रीढ़ है। योग को अपनाकर युवा वर्ग अपने जीवन को सफल बनाकर राष्ट्र की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यशालाओं में योग के प्रायोगिक अभ्यास भी कराए गए। कार्यशाला में राजस्थान के विभिन्न महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयं सेविकाओं ने भाग लिया।

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय

शैक्षिक भ्रमण

26 दिसम्बर 12 से 01 जनवरी 13 तक आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की 10 छात्राओं का एक दल सहायक आचार्य गिरिराज भोजक एवं निर्मला भास्कर के निर्देशन में नेशनल यूथ फेयर में भाग लेने हेतु साऊथ वीर नर्मद गुजरात यूनिवर्सिटी सूरत गया। वहां छात्राओं ने वन एक्ट प्ले, माइम, रंगोली, वाद-विवाद, फोटोग्राफी, गीत आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया। संभागी छात्राओं को मेडल व प्रमाण पत्र दिये गये।

इसी प्रकार पूर्व में 19 से 24 दिसम्बर 2012 तक आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की 48 छात्राओं का एक दल निर्मला भास्कर और विशाल यादव के निर्देशन में चण्डीगढ़ व अमृतसर की यात्रा की। वहां उन्होंने नेशनल लाइफ हिस्ट्री म्यूजियम, डॉल म्यूजियम, रॉक गार्डन, मंशा देवी मन्दिर, सूरबाना झील, दुर्गायाना मन्दिर, स्वर्ण मन्दिर, जलियां वाला बाग, बाघा बॉर्डर आदि का अवलोकन किया।

अनुशास्ता-जैन विश्वभारती संस्थान

श्रद्धा-समर्पण

आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी समारोह 2013 - 2014

आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी समारोह 2013-2014

आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव

आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव-लाडनूँ

Jain Vishva Bharati Institute

(Declared as Deemed-to-be University Under Section 3 of the UGC Act, 1956)

in association with

Terapanth Professional Forum

Presents

Spiritual Training Programme

(Online Certification Courses)

Basics of Jain Philosophy & Preksha Meditation

- The courses are available in the form of online video lectures.
- One video lecture of 60 -80 minutes duration (divided in to three to four parts) will be available per week.
- Self-assessment quizzes will also be conducted online.
- Discussion forums and FAQs (Frequently asked Questions) can be used to effectively learn the concepts.

CEFTIFICATION

At the end of each course a final written examination will be conducted by Jain Vishva Bharati Institute at different locations throughout the country. JVBI will issue certificates to all successful participants.

Course Fee

- Participants in India Rs. 500/-
- Overseas participants USD $ 99

Instructors of the Course

Basics of Jain Philosophy : Samani Rohit Pragya, Samani Ramaniya Pragya, Samani Chaitya Pragya

Preksha Meditation : Samani Shukla Pragya, Samani Vinay Pragya

To get more details contact :

- **Samani Charitra Prajna,** Vice Chancellor, Jain Vishva Bharati Institute, email: prajna108@gmail.com
- **Nirmal Sancheti,** Convener TPF, email:nirmal@sankalan.in

Visit : www.tpf.org.in

Vice-Chancellor's Incessant Steps

कर्म एक न्यायपूर्ण सिद्धान्त है-कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा

कर्म एक ऐसा सिद्धान्त है जिसे सभी दर्शनों ने स्वीकार किया है। जहाँ आत्मा का सिद्धान्त स्वीकार्य है वहाँ कर्म सिद्धान्त की स्वतः स्वीकृति हो जाती है। यह विचार संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने 8 फरवरी को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के संस्कृत विभाग तथा राजस्थान संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृतवाङ्मय कर्म सिद्धान्त विषय पर आयोजित सेमिनार के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किया। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि कर्म एक न्याय पूर्ण सिद्धान्त है। यही वह सिद्धान्त है जो मुक्ति की भी प्रेरणा देता है। संस्कृत विभागाध्यक्ष सत्यप्रकाश दूबे ने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय और जैन विश्वभारती संस्थान के बीच आत्मीय संबंध का जिक्र किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्वान प्रो. दयानन्द भार्गव के अनुरोध पर संभागियों को प्रेक्षाध्यान की संक्षिप्त जानकारी देते हुए ध्यान के प्रयोग भी करवाया गया।

Talk by Vice – chancellor at International Yoga Festival

Samani Charitra Pragya, Vice-chancellor of Jain Vishva Bharati Institute as a chief guest spoke on **Importance of Yoga in Life** at International Yoga Festival organised at ChokelaoBagh, Mehrangarh Fort, Jodhpur by **Ninad Sansthan** on 9th February, 2013. She said "In modern age everybody has stress. People want to get rid of it but their life style does not allow them to live a peaceful life. Yoga is the way to have physical, mental and emotional happiness. The technique of yoga and meditation teaches to control over negative emotions, develop the positive values, and experience inner bliss.

Nayeem Khan, the president of **NinadSansthan** paid gratitude towards samaniji for enlightening the participants by sharing views on Yoga.Event was also graced by ChandreshKumari, minister of culture, Shri N.N. Mathur, Vice Chancellor of National Law University.

87th Annual Vice-chancellor's conference

87th Annual Vice-chancellor's conference under the aegis of the Association of Indian Universities was hosted by Deen Dayal Upadhyaya University, Gorakhpur from 3-5 may 2013. AIU organizes five zonal conferences and one national seminar of the vice-chancellors every year. National seminar was based on very innovative themes focusing on "Research in higher education institutions for sustainable development", "Status of higher education institutions in Rural India" and "Higher education in Drought prone regions in India". Samani Charitra Prajna, Hon'ble Vice-chancellor attended this national meet representing JVBI.

23वां स्थापना दिवस

ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों का समावेश आवश्यक –कुलपति कुमावत

संस्थान का 23वां स्थापना दिवस शासन गौरव मुनि धनजंय कुमार के सान्निध्य में एवं संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा की अध्यक्षता में 20 मार्च को आयोजित किया गया। सुधर्मा सभा में आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति महेन्द्र एल. कुमावत एवं मुख्य वक्ता हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के कुलपति प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी थे एवं विशिष्ट अतिथि टी.टी. इण्डस्ट्रीज नई दिल्ली के निदेशक रिखबचन्द जैन एवं श्री वैष्णव टेक्नीकल सर्विस चैन्नई के निदेशक प्रो. एस.ए.आर.पी.वी. चतुर्वेदी थे। प्रो. चतुर्वेदी ने कहा कि अहिंसा एवं शान्ति जैसे विषयों को शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में शामिल करना चाहिए। मुनिश्री धनजंय कुमारजी ने कहा कि शिक्षा के साथ आध्यात्मिक

प्रयोग से नए चिन्तन व नए व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य प्राच्य विद्याओं का विकास एवं संरक्षण करना तथा शिक्षा के साथ जीवन मूल्य को जोड़ना है। संस्थान के कुलसचिव परमेश्वर शर्मा ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समणी मीमांसाप्रज्ञा ने संस्थान के अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण के संदेश का वाचन किया। इसी दौरान वार्षिक सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। दूसरे चरण में युवराज सिंह एवं आलोक पाण्डेय के नेतृत्व में जीवन विज्ञान के छात्र-छात्राओं द्वारा योग की विभिन्न मुद्राओं एवं आसनों का प्रदर्शन कर आगन्तुक अतिथियों को दांतों तले अंगुली चबाने को मजबूर कर दिया। छात्र-छात्राओं ने नयनाभिराम सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

"वर्तमान में ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों का समावेश आवश्यक है। जैन विश्वभारती संस्थान ही एक ऐसा विश्वविद्यालय है, जो इस दिशा में कार्यरत है। मेरी यह इच्छा है कि जैन विश्वभारती संस्थान एवं हमारा विश्वविद्यालय मिलकर अहिंसा एवं शांति के क्षेत्र में कार्य करें।"

– महेन्द्र एल. कुमावत
कुलपति, सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान

"नैतिक एवं मानवीय मूल्यों के विकास की दृष्टि से यह संस्थान विश्वविद्यालयों की श्रेणी में अपनी एक विशिष्ट पहचान रखता है। वर्तमान में इसी तरह सभी शिक्षण संस्थाओं द्वारा अपने शैक्षिक पाठ्यक्रमों में विज्ञान के साथ अध्यात्म का भी मुख्य रूप से समावेश किया जाना चाहिए।"

– प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी
कुलपति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, हिमाचल

"जैन विश्वभारती संस्थान नैतिक मूल्यों के उत्थान के लिए समर्पित एक अद्वितीय विश्व विद्यालय है।"

– रिखबचन्द जैन
निदेशक, टी.टी. इण्डस्ट्रीज, नई दिल्ली

Jain Vishva Bharati Institute

(Declared as Deemed-to-be University Under Section 3 of the UGC Act, 1956)

Directorate of Distance Education

Organizes

Preksha Life Skill

(Personality Development Training Program)

What is Preksha Life Skill?

Preksha Life skill is an intensive SOFT skill program :

- *To build Character, Confidence, and Courage*
- *To develop Communication skill, Public speaking skill and Successful life*
- *To empower Emotional intelligence and Relations*

PLS is designed to impart the required life skills to the participants in the shortest possible time.

Duration	: 10 days, 2½ hours/each session
Evaluation	: Through presentations by participants at the end of the course
Age	: 15 & above
Course Fee	: Rs. 1,000/- only

Note
- The sessions can be in Hindi or English.
- Classes may subject to change or cancelled if situation demands.
- Material, and books will be distributed free of cost.
- Certificate will be awarded if the minimum attendance is 75%.

Power Point Presentations on – Purposeful Living, How to stay Enthusiastic Attitude of Gratitude, Anger Management and other more topics will be presented :

- Participant will talk o n he suggested topic in each session
- Powerpoint presentation by the participant at the end of the course
- Certificate of participation will be awarded by JVBI

Contact to : Samani Shukla Pragya, Samani Vinay Pragya

Visit : prekshalskill@gmail.com

Career & Counselling Cell

ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम

संस्थान के कॅरियर काउन्सलिंग सेल के अन्तर्गत विभिन्न ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम आयोजित किये गए। इनमें कार ड्राइविंग, क्ले मेडलिंग, पेपर मेसी, ज्योतिष, इलेक्ट्रॉनिक इक्युपमेंट रिपेयरिंग, म्यूजिक, म्यूजिकल इन्स्ट्यूमेंट्स ट्रेनिंग, हेयर एण्ड स्कीन केयर, ऑफिस मेनेजमेण्ट, कूकिंग क्लासेज कार्यक्रम आयोजित किये गए। कार्यक्रम के समापन पर आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि ये ग्रीमष्कालीन कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। कुलसचिव डॉ. अनिल धर, समन्वयक डॉ. जुगल किशोर दाधीच एवं युवराजसिंह खंगारोत ने भी संभागियों को सम्बोधित किया।

अहिंसा एवं अनेकान्त की शिक्षा आवश्यक–सी.आर. चौधरी

अनेकान्त शोधपीठ एवं कॅरियर काउन्सलिंग सेल के संयुक्त तत्वावधान में 12 जनवरी, 2013 को आचार्य महाप्रज्ञ सभागार में विवेकानन्द जयन्ती के उपलक्ष्य में मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति सी.आर. चौधरी ने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को कॅरियर गाइड्स की जानकारी देते हुए कहा कि आज के बदलते परिवेश में युवा पीढ़ी को जब हम अहिंसा एवं अनेकान्त की शिक्षा देंगे तभी युवा वर्ग का आन्तरिक विकास होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि किसी भी व्यक्ति या सन्त का विकास अहिंसा से ही हुआ है। अनेकान्त शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. अनिल धर ने अतिथियों का स्वागत किया। कॅरियर काउन्सलिंग सेल के समन्वयक डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने अतिथियों का परिचय एवं धन्यवाद ज्ञापन किया।

Short Term Summer Programmes

Remedial Coaching Cell

स्कील डवलपमेंट कार्यक्रमों का आयोजन

संस्थान के रेमेडियल कोचिंग सेल द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश (मई-जून) में एक माह तक विभिन्न स्कील डवलपमेंट कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें जैन विश्वभारती संस्थान के साथ ही आस-पास के संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के अन्तर्गत बेसिक कम्प्यूटर कोर्स, अंग्रेजी संभाषण, नृत्य प्रशिक्षण, योग प्रशिक्षण, सॉफ्ट स्कील डवलपमेंट, मेहंदी प्रशिक्षण आदि आयोजित किये गए, जिनमें सेल के समन्वयक युवराजसिंह खंगारोत, पूजा जैन, अबरार अहमद खान, ताम्बी दाधीच, विशाल यादव, सुनीता वैष्णव ने प्रशिक्षण दिया। समापन सत्र की अध्यक्षता कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने की। मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ. अनिल धर थे। संभागीय छात्र-छात्राओं ने चर्चा-परिचर्चा के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम वर्षभर चलने चाहिए। प्रारम्भ में कॅरियर कोचिंग सेल के समन्वयक डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने आगन्तुकों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम के अन्त में रेमेडियल कोचिंग सेल के समन्वयक युवराजसिंह खंगारोत ने आभार ज्ञापन किया।

विभिन्न कक्षाओं का आयोजन

रेमेडियल कोचिंग स्कील सेल द्वारा माह जनवरी से जून, 2013 तक विद्यार्थियों के विशेष प्रशिक्षण हेतु निम्नांकित कक्षाओं का आयोजन किया गया-

1. फरवरी 28-23 मार्च — समाज कार्य विभाग के चतुर्थ सेमेस्टर विद्यार्थियों के लिए कक्षाएँ
2. 11-16 मार्च, 8-26 अप्रैल — बी.कॉम. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु एकाउण्ट की कक्षाएँ
3. 7 मार्च — एम.एड. हेतु कक्षाएँ
4. 7 मार्च — बी.एड. हेतु कक्षाएँ
5. 12-29 मार्च, 1-6 अप्रैल — इंग्लिश कम्यूनिकेशन की कक्षाएँ

Skill Development Programmes

YOGA

30 DAYS PROGRAM
SEPARATE BATCH FOR MALE AND FEMALE
10 MAY - 08 JUNE
(6.00 AM TO 7.00 AM & 7.00 AM TO 8.00 AM)

DANCE

30 DAYS PROGRAM
ONLY FOR FEMALE
10 MAY — 08 JUNE
(8.00 AM TO 9.00 AM)

MEHANDI DESIGNING

07 DAYS PROGRAM
ONLY FOR FEMALE
01 — 07 JUNE
(9.00 AM TO 10.00 AM)

SOFT-SKILLS

07 DAYS PROGRAM
FOR MALE AND FEMALE
17 — 23 MAY
(9.00 AM TO 10.00 AM)

SPOKEN ENGLISH

30 DAYS PROGRAM
FOR MALE AND FEMALE
10 MAY — 08 JUNE
(11.00 AM TO 12.00 AM)

BASIC COMPUTER

30 DAYS PROGRAM
ONLY FOR FEMALE
10 MAY — 08 JUNE
(10.00 AM TO 11.00 AM)

JVBI Miscellaneous

गणतंत्र दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया

26 जनवरी 2013 को गणतंत्र दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। सुबह झंडारोहण संस्थान के कुलसचिव परमेश्वर शर्मा ने किया। इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि भारत दुनियां का सबसे बड़ा गणतंत्र है। गणतंत्र के नागरिक होने के कारण हमारा दायित्व अब और भी अधिक बढ़ गया है। हमें लोकतंत्र के निर्वहन के लिए सदा तत्पर रहना चाहिए।

इस अवसर पर समारोह को कुलसचिव परमेश्वर शर्मा, प्रो. बच्छराज दूगड़, प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने भी संबोधित किया। विशेषाधिकारी नेपालचन्द गंग ने राष्ट्रीय भक्ति से ओत-प्रोत कविता का वाचन किया। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संयोजन सहायक आचार्य डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने किया।

A Session at TPF in Banglore

On 22nd April, Samani Shukla Pragya and Rohit Pragya were invited by TPF (Terapanth Professional Forum) organization to deliver lecture on Significance of Jain Philosophy and Preksha Meditation. Speaking about Jainism, Samani Rohit Pragya unveiled the facts about antiquity of Jainism and its relevance in present era. She proved Jainism to be very scientific by explaining its unique concepts like universe, abstinence from night eating, life in one to five sensed beings etc. Focusing over its founding principles Ahimsa, Anekant and Aparigrah she said how one can apply these principles in pragmatic life and make his life peaceful. Samani Shukla Pragya spoke on Introduction to Preksha Meditation. She said how through regular practice of Preksha Meditation, one can attain profound physical, mental, emotional and spiritual health. The whole session was followed by the short practice of meditation.

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएँ एवं सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन

फरवरी के अन्तिम एवं मार्च के प्रथम सप्ताह में संस्थान की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक सप्ताह आयोजित किया गया। सांस्कृतिक सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आशुभाषण, वाद-विवाद, एकल गायन, मेहन्दी, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, सामान्य ज्ञान, रंगोली, नाटक एवं नृत्य आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें संस्थान के सभी विद्यार्थियों एवं सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को स्थापना दिवस के अवसर पर अतिथियों के द्वारा मंच पर कांस्य, सिल्वर एवं गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सात दिवसीय एन.एस.एस. शिविर

8 से 14 मार्च तक संस्थान के दोनों एन.एस.एस. इकाईयों के सप्त दिवसीय शिविर आयोजित किए गए। नशा मुक्ति रैली निकाली गयी। कार्यक्रम अधिकारी डा. अंशुलीला एवं डा. बिजेन्द्र प्रधान के नेतृत्व में स्वयंसेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने इन सात दिनों में श्रम दान, परिसर सफाई, पोस्टर प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, सामाजिक सर्वेक्षण, मेहन्दी प्रतियोगिता, डीडीटी पाऊडर का छिड़काव, योग एवं स्वच्छता का ग्रामीणों को प्रशिक्षण, नशा मुक्ति अभियान, नारा लेखन कार्य, सुतली बैग, आसन बनाना एवं रंगाई-पुताई आदि कार्य किए गए।

Appointment of New Registrar

Dr. Anil Dhar, Associate Professor and Deputy Director of Mahadev Lal Saraogi Anekant Shodh Peeth took charge of Registrarship on May 18, 2013.

Dr. Dhar is associated with this Institute from its inception.

डॉ. संजीव गुप्ता का निधन

संस्थान के सहायक आचार्य डॉ. संजीव गुप्ता का आकस्मिक निधन दिनांक 19 दिसंबर को हो गया। डॉ. गुप्ता संस्थान के जीवन

विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग में सहायक आचार्य थे साथ ही दूरस्थ शिक्षा का शैक्षणिक कार्यभार भी संभालते थे। वे वर्षों से संस्थान की स्पोर्टस कमिटी के संयोजक भी थे। उनकी मिलनसारिता एवं कार्य के प्रति उनका जुझारूपन सदा याद किया जायेगा। उनकी स्मृति में विश्वविद्यालय परिवार ने विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

समस्त विश्वविद्यालय परिवार उनकी आत्मा की उत्तरोत्तर प्रगति की कामना करता है।

एक दिवसीय एन.एस.एस. शिविर

संस्थान की एन.एस.एस. की द्वितीय इकाई द्वारा 1 अप्रेल को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा साफ-सफाई, डीडीटी छिड़काव किया गया। समय प्रबन्धन एवं व्यक्तित्व विकास पर कार्यक्रम अधिकारी डा. बिजेन्द्र प्रधान ने अपने विचार व्यक्त किये। संभागियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

Professor Mishra in Italy

Professor J.P.N. Mishra, Head, Dept. of SOL, PM and Yoga participated as an invited speaker in 2nd International Conference on "Yoga Culture of Tomorrow" organized by Italian Federation of Yoga from April 25-28, 2013 at Florence, Italy. Professor Mishra delivered a lecture on "Meditation for Today and Tomorrow" and also conducted two workshops on "Preksha Meditation– Theory and Practice". In this congress 292 delegates from across the world participated, which included Professors, Medical Doctors, Scientists, Yoga Experts and Research Scholars. After this congress a memorandum of Understanding will be signed in between Jain Vishva Bharati Institute and Italian Yoga Federation, which will pave the way for the exchange of faculty members, research scholars and PG students to have specialized training and also to undertake certificate and diploma courses being run by both the Institutions.

MOU with Chulalongkorn, Bangkok

Samani Aagam Prajna and Samani Chaitya Prajna visited Bangkok. On 7the Feb. 2013, there was a signing ceremony of MOU with one of the renowned universities of Bangkok, Chulalongkorn. The Dean signed MOU on behalf of Chulalongkorn and Samani Aagam Prajna, Assistant Prof. of Jainology and Comparative Religion and Philosophy signed on behalf of JVBI. Associate Prof. Surapeepan Chatroporn, Deputy Dean for International Affairs carried out the whole ceremony in a systematic way.

Assumption University, Bangkok

Samani Aagam Prajna and Samani Chaitya Prajna had a meeting with Prof. Warayuth Sriwarakuel, Dean of Grad. School of Philosphy and Relgion; Dr. Veerachart Nimanong, Head of Philosophy Dept., Dr. Imtiyaz Yusuf and German Scholar Asst. Prof. Roman Meinhold. Samaniji introduced various activities and departments of JVBI. They also discussed about different researches, field work, projects, etc.

Contribution of Different Religions in Peace and Harmony, Bangkok

One day seminar was organised by Ramakrishna Vedanta Society, the Hindu Samaj and Shilpakorn University, Bangkok on 9th of Feb., 2013 on the theme Contribution of Different Religions in Peace and Harmony. The seminar was organized in the memory of Swami Vivekananda. Scholars on different philosophies were invited. Samani Aagam Prajna, as a Jain scholar discussed how principle of Ahimsa, Anekanta and Parigraha can help to bring out peace and harmony and make this world a better place to live in.

The First Pilot Study in Preksha Meditation at FIU

Presented in the 34th Annual Society of Behavioral Medicine Conference at San Francisco on 20th March 2013

Can Learning Disabled College Students' Attention Benefit From Using Mahapraan, Preksha Technique" was presented as a poster in the SBM conference. The research was conducted by Samani Unnata Pragya under the guidance of Dr. Devendra Mehta whose experience and dedication was crucial to the work. The added team members were Samani Dr. Chaitanya Pragya, Dr. Naina Mehta, Paulette Johnson, Gabriela Cardoba and Joscelin Chiu. The poster presentation being a one to one dialogue was an opportunity to share with the scholars the study undertaken, ongoing work and future plans as well. The conference attended by many scholars, researchers of this field had an opportunity to explore the growing trend in integrative therapy.

First Graduate of Jain Studies at FIU receives "Outstanding Service Award" in REL Department

Shivani Bothra successfully

defended her master's thesis titled: The Anuvrat Movement: Theory and Practice on March 28, 2013. Prof Nathan Katz, Bhagwan Mahavir Professor at the Department of Religious Studies at FIU was Shivani's thesis advisor. Shivani is the first MA with research on Jain Studies after the establishment of Bhagawan Mahavir Professorship in Jain Studies at FIU. Shivani did her first MA from Jain Vishva Bharati University, Ladnun.

Spiritual and Energy Transformation: Lectures in Orlando

A Camp organized at Orlando on

the theme "Transformation of the Self" in January 19th to 21st under the guidance of Samani Bhavit Pragya, Samani Chaitanya Pragya, Samani Sangha Pragya and Samani Unnata Pragya. Spiritual transformation is preceded by energy transformation. Samani Chaitanya Pragya presented on "Energy Transformation". Samani Unnata Pragya delivered her lectures to youth on "Tipping point for Change" and "Addiction: story of enslavement".

Participation in 10th Danam Conference

In the conference, Samani Unnata Pragya presented her paper on "Fasting, a Double Edged Sword: Spiritual Fasting and Coercive Fasting". The comparative paper explored fasting undertaken by Bhagawan Rishabha, Bhagwan Mahavir and Gandhi.

Guest Lecture at University of North Texas

Prof. Pankaj Jain invited

Samaniji Unnat Pragya for a guest lecture at University of North Texas. Using the tech facility the lecture was a distance presentation but very interactive. Questions rolled around Non-violence of Jains, Women status, Jains in America and more. Open Q and A rendered greater insight to the students. Students were intrigued by the details of Jain philosophy and practice. With this experience Samaniji was re-invited where the concept of meditation and Pratikraman, was explored. Student's exploration reveals the growing Jain studies in USA.

Lectures in Pathashala Camp on Mountains at Los Angeles

The Dec 19th to 22nd camp was guided by Samani Chaitanya Pragya and Unnata Pragya on the concept of well-being and Jainism. Samaniji presented the concept of Social, mental, and spiritual well-being tied up with Jain practice.

List of Donors

(01-01-2013 to 31-06-2013)

S.No.	Name of Donor
01.	Jain Vishva Bharati, Ladnun
02.	Sh. Shakuntala Devi Charitable Trust, Chennai
03.	T.T. Charitable Trust, Delhi
04.	Akhil Bhartiya Teerapanth Mahila Mandal, Ladnun
05.	Sh. Suresh Chand Suthaliya, Coimbatore
06.	Sh. Prakash Chand Suthaliya, Coimbatore
07.	Swarna Shilpi, Chennai
08.	Hariyant Jewellers
09.	Star Educational Books Distri. Pvt. Ltd., New Delhi
10.	Mohanlal Jewellers Pvt. Ltd.
11.	Sh. Kanchan Kanwar Suthaliya, Coimbatore
12.	Sh. Hasmukh Parek, Kolkatta
13.	Sh. Anandmal Chellani, Sowcarpet
14.	Sh. Amar Chand, Raj Kumar Bamb
15.	Elin Electronics Ltd, New Delhi
16.	Sh. Mahendra Dhriwal, Raipur
17.	Sh. Jevanth Raj Kundanmal Parmar, Chennai
18.	Sh. Ramesh Kumar, Dinesh Kuar Parmer, Chennai
19.	Deep Charitable Institution, New Delhi
20.	Sh. Indu Singhvi, Pune
21.	Sh. Narendra Kumar, Raipur
22.	J. K. Jewellers Pvt Ltd, Chennai
23.	J. J. Gold House, Culcutta
24.	Sh. Mahaveer Katrela
25.	Sh. Mahaveer Bokadi
26.	Sh. Vinod Kumar M. Jain
27.	Emrald Jewel Industry (P) Ltd., Coimbatore
28.	Sh. Ashok Kumar Vimla Devi Mehta
29.	Sh. Sanjay Kumar Sandeep Kumar Mehta
30.	Jewel Crett, Chennai
31.	Balaji Jewellers
32.	Sumangali Jewellary Hall, Klalayapet
33.	S. L. Jewllers, Chennai
34.	Sh. Poonamchand Daga, Kilpauk, Saraarthr
35.	Sh. Ganeshlal Bhikam Chand, Mundoa Seva Trust
36.	Singhvi Charitable Trust
37.	Sh. Jayanthilal Chellani
38.	Ganesh Agencies, Pilibanga
39.	Sh. Uhomchandji Sureshji Kothari, Chennai
40.	Sh. Gyan Chand Munot
41.	Nandha Kishore & Brothers, Uthiramerur
42.	Ms. Rashi Sharma, Mumbai
43.	Sh. Ramesh Kumar, Mumbai
44.	Sh. Methalal Nirmal Kumar, Mumbai
45.	Sh. Vinoth Kumar Sancheti
46.	Sh. Kanyalal Bothra Mutha, Purasai
47.	Sh. Chainraj Mahaveerchand Dugar, Nemili
48.	Sh. M. Vijayraj Rishab Kumar Bafna, Chennai
49.	Sh. P. Bimalabai, Chennai
50.	Pislabai Katrela Prakash Chand Kalrela
51.	Sh. Nagaraj Bothra, Kilpark, Sardarsahar
52.	Sh. Chainroop Hirawat, Kilpark, Ratan Nagar
53.	Sh. Tarun Bengani, Kilpark, Ratan Nagar
54.	Radha Mohan Pursotham & Co., Kanpur

S.No.	Name of Donor
55.	Sh. Dinesh Kankaria, Chennai
56.	Softline Sales Corporation, Chennai
57.	Mehta Real Estate
58.	Sh. Gopal Krishan
59.	Sh. Ramchandar Nishad
60.	Sh. Hemanth Kumar Dinesh Kumar Jain
61.	Vimal Jewellery
62.	Sh. Kamlesh Kumar Kothari, Chennai
63.	Sh. M. Ramesh Saklecha, Uthiramerur
64.	Sh. Chainraj Kucheta
65.	Sh. Gowthamchand Deepak Kumar Marlecha
66.	Sh. Manakchand Vashanth Kumarji Singvi
67.	Sh. Nand Kishore, Misopet
68.	Sh. Deepchand ji Jetmal Kotadiya
69.	Hallmark Infrastructure Pvt Ltd., Chennai
70.	Sh. Rajendrakumariji Manojkumarji Bothra Mutha
71.	Sh. Sureshji Hethishji Nahar
72.	Sh. Jasvanthraj Deepak Baradia
73.	Sh. Ranjith Mullsa Chellani
74.	Sh. J. Anraj Jain Mandoth, Kilpaukyo
75.	Sh. Manajchand Mangalchand Bohra, Chennai
76.	M. M. Jewellers, Chennai
77.	Sh. Gautham Chakrabarthy, Kolkatta
78.	RNJ Jewellers, Coimbatore
79.	Sh. Khama Bai Munot
80.	Sh. Santosh Chand Prashant Kumar Chantaliya
81.	Padmavathi Jewellers
82.	Dr. Prakash Chand Lalchand Lunked
83.	Sh. Bhurmal Jetmal ji Kotadiya
84.	Sh. Nemichand Ranjeetmal Marlecha
85.	Sh. Suraj Kumar Dhoka
86.	Mumba Devi Jewellers
87.	Sh. Sethji Lal Chandji Jaichandlal Sethia, Sujangarh
88.	Sh. Vikash Kothari
89.	Sh. Mahendra Kamal Katrela
90.	Sh. Anup chand Gatesh Jain
91.	Sh. Ram Lal Goyal, Sangrur, Punjab
92.	Sh. Subhas Chandra Ghisaram, Mandi Aadampur
93.	Sh. Udamiram Suryakant, Mandi Aadampur, Hissar
94.	Sh. Bihari Lal Chabil Das, Mandi Aadampur, Hissar
95.	Sh. Guljarimal Puroshtamdas, Mandi Aadampur
96.	Terapanth Mahila Mandal, Mandi Aadampur
97.	Sh. Mahaveerprasad Jagdish Rai, Mandi Aadampur
98.	Sh. Manorji Darla
99.	Veena Electricals, Chennai
100.	Sh. Ashok Kumar Anil Kumar Kunavath, Chennai
101.	Sh. Ugam Chand Suseel Kumar Sethia Pattalam
102.	Sh. Navarathan Mulji Prakash Loda, Perambure
103.	Sh. M. Arvind Kumar Jain
104.	Sh. Bherulal Mahaveer Sanchethi
105.	Sh. Somanraj Nagine Chand Bothara
106.	Sh. Manmulla Naveen Dugad, Chennai
107.	Sh. N. J. Surana, Chennai
108.	Jain Granites & Project India Co., Chennai

List of Donors

(01-01-2013 to 31-06-2013)

S.No.	Name of Donor
109.	Jain Jewellers, Chennai
110.	Sh. P. Sampathraj Jain, Chennai
111.	Sh. Lal Chand Suresh Lunkad
112.	Sh. Deepa Ram
113.	Sh. N. Sunil Kumar Jain
114.	Sh. Kachuralal Sanjay Kumar Anchalya
115.	Jain Bullion, Sowcarpet
116.	Sh. Kamal Bandari, Sowcarpet
117.	Sh. Mahendar Bhansali, Chennia
118.	Sh. Pavan Kumar Surendar Vedmutha, Vandavasi
119.	Manish Plastics
120.	Sh. Vimal Kumar Vinadhe Kumar Bafna
121.	Sh. Rajesh Bohra, Chennai
122.	Sh. Yasvanth Kumar Chethan Batewda, Sowcarpet
123.	Sri Siddhi Silver, Chennai
124.	Sh. Dinesh Kumar Gangda, Chennai
125.	Sh. Babulal Sunil Kumar Gandhi, Chennai
126.	Sh. Vinodchand Vikashchand Kunalchand Bhandai
127.	Sh. Manoharchand Rosan Chand Abisheskji Ranka
128.	Sh. Udayraj Deepak Chand Sethia
129.	Sh. Sukanraj Kothari Hirendra Kothari, Chennai
130.	Sh. Ghisulal Sureshchand Taichandji Sancheti
131.	Sh. Ramesh Kumar Lalith Kumar Lunkad
132.	Sh. Champalal Mahaveer Chand Mutha
133.	Sh. Gouthamchand Kishore Kumar Mutha
134.	Sh. J. Devi Chand Achha
135.	Sh. Parasmal Dharpathraj Sethia, Chennai
136.	M. Kiran Vikas Dhariwal
137.	Sh. Rajesh Kumar Ashokkumar Lunked
138.	Sh. Babulal Mahindra Kumar Piyush Kumar Banthia
139.	Sh. Kandanmaal Anil Kumar Prakashchand Banthia
140.	Sh. N. Vimal Jain Nemi Chand
141.	Sh. Jawaharlal Rajesh Vikash Banthia
142.	Sh. Vimal Sancheti
143.	Sh. Mahaveer Chand Pradeep Kumar Dariwal
144.	Sh. Bhogchand Dinesh Kumar Dhariwal, Walagabad
145.	Sh. Jidendra Kumar Parasmal, Chergalpet
146.	Sh. Gouthamchand Praveen Kumar
147.	Sh. Tharachand Mahaveerchand Baradiya
148.	Sh. Bhawarlal Sampathra Basola, Thirukalikundram
149.	Sh. B. Vikash Berulal Jain, Thirukalikundram
150.	Sh. Bhawarlal Ramesh Kumar Dhariwal, Kanehapin
151.	Sh. Mahaveerchand Rakesh Kumar Pipada
152.	Sh. Nischay Dhokha, Chennai
153.	Rann Enterprises, Chennai
154.	Sh. Padam Dhokha
155.	Sh. Mithal Seth
156.	Kaveri Electronics
157.	Sh. Padem Dhokha, Chennai
158.	Sh. Udai Kumar, Chennai
159.	Sh. Laxmi Lal Dangi
160.	Sh. Jugraj Bothra
161.	Sh. Babulal Rahul Surana
162.	Sh. Trilok Chand Dugar, Kilpark

S.No.	Name of Donor
163.	Sh. Mojilal Daga, Pursawakam
164.	Sh. Jatanlal Sethia, Pursaakam
165.	Sh. Suresh Bhanaari, Kilpark
166.	Sh. Babulal Dugar, Chennai
167.	Prakash Ele & Refrigerations Co. , Chennai
168.	Sh. Predeep Kumar Sekhani, Chennai
169.	J. D. Electronic, Chennai
170.	Bhansali (India) Co., Chennai
171.	Sh. Vinod Kumar Bokaria, Chennai
172.	Sh. Rajesh Kumar Dugar, Chennai
173.	Ashok Hardware & Allied Products, Chennai
174.	Raichand Choradia Co., Chennai
175.	Sonal Refrigeration Co., Chennai
176.	Sh. Manuman Mal Ghorawat
177.	Yash Impex, Chennai
178.	Sh. Rai Chand Daga, Chennai
179.	Usha Electric & Refregation Co. , Chennai
180.	Sh. Sanjay Surana, Chennai
181.	J. J. Wire Neeting (P) Ltd. , Chennai
182.	Sh. Udai Chand Sanjay Kumar Barar, Chennai
183.	J. J. Lall Co., Chennai
184.	Mehtha Jewellers
185.	Sh. Inderchand Prasankumar Bothra
186.	Sh. Rodhmal Dinesh Kumar Kavadia
187.	Sh. Gurunathan
188.	Sh. Mahender Dhoke
189.	Ms. Sheetal, Sowcarpet
190.	Shanti Jewellers, Pallavaram
191.	Sh. R. Sundaresan, Coimbatore
192.	Sh. Rajesh, Coimbatore
193.	Sh. Sai Balaji, Coimbatore
194.	Sh. Myraa Kothari
195.	Sh. Anand, Coimbatore
196.	Sh. Guru Prasad. J., CBE
197.	Sh. Venkatesh, Villipuram
198.	Sh. Rajesh (R.D.), Sowcarpet
199.	Sh. Kamal Badani, Rajkot
200.	Komal Jewellers, Chennai
201.	Sh. C. Mahaveer Bhandari, Chennai
202.	Sh. K. Srinivasan, Coimbatore
203.	Sh. Venkatesh, Coimbatore
204.	Shaji, Perinchery Thrissur, Kerala
205.	Sh. B. Balaji, Coimbatore
206.	Sh. R. Venkatesh, Coimbatore
207.	Sh. Bharth Jain, Nillone, A.P.
208.	Sh. Gurusmay, Coimbatore
209.	Sh. Shrdharen, Coimbatore
210.	Sh. Kalidass, Coimbatore
211.	Sh. Ashish, Chennai
212.	N. T. M. Jewellers, Coimbatore
213.	Sh. Jai Ganesh, Coimbatore
214.	Sh. A. N. Sankara, Cherapu Trusur
215.	Manglam Foundation, Chennai
216.	Sh. Natrajan, Chennai

List of Donors

(01-01-2013 to 31-06-2013)

S.No.	Name of Donor
217.	Sh. Praveenji Kothari, Chennai
218.	Sh. Sosarbai K. Mehta, Mumbai
219.	Sh. Suresh Gundecha, Chennai
220.	Sh. Sanjay Gundecha, Chennai
221.	Sh. Vinodh Gundecha, Chennai
222.	Sh. Ghishulal Suresh Kuamr Bohra, Chennai
223.	Sh. Manakchand Vinodkumar Rauka, Chatoor
224.	Sh. Santoshkumar Dhashankumar Ranka
225.	Sh. Ganpatraj Srikanth Choradia, Chittoor
226.	Sh. Mahaveer Chand Dilip Kumar Chhallani
227.	Sh. Nirmal Kumar Singhi, Tirupathi, Distt Chittoor
228.	Sh. Kamal Sethiya, Tirupati, Distt Chittoor (AP)
229.	Sh. Kundanmal Ravindra Kumar Chordiya
230.	Sh. Gothamchand Achalia, Soikalahasthi, Chittoor
231.	Sh. Mahaveerkumar Vishalkumar Bantiya, Chennai
232.	Sh. Champalal Rohit Kumar, Chennai
233.	Sh. Parasmal Devendra Khivasaria, Chennai
234.	Sh. Shambhoolal Deepak Kumar Bohara, Chennai
235.	Sh. M. Vumodha Kumar Khivasara, Chennai
236.	Sh. Ashok Kumar Bohara, Chennai
237.	Sh. Bimalkumar Surendrakumar Dugad, Sholinghur
238.	Sh. Shanti Lal Deepak Kumar Dugad, Sholinghur
239.	Sh. Mahaveer Chand Kamal Kumar Mutha
240.	Sh. Basant Kumar Bharat Kumar Dugad, Solinghur
241.	Sh. Rajesh Mahesh Kumar Dugar
242.	Sh. C. Nirmal Sundesha, Chennai
243.	Sh. P. Lalith Nahata, Chennai
244.	Sh. Mangilal Chandmal Kothari, Chennai
245.	Sh. Kamelsh D Shah, Chennai
246.	Sh. Babulal Praveen Babel, Chennai
247.	Sh. Sampathraj Praveen Kumar Taleda, Chennai
248.	Sh. Shanthu Bain Sampathraj Taleda, Chennai
249.	Sh. Narendra Kumar Chopra, Chennai
250.	Sh. Devilal Vikaskumar Goloda, Chennai
251.	Sh. Jawanthraj Tilokchand Sundeha Mutha, Chennai
252.	Sh. Ghewarchand Namdev, Chennai
253.	Sh. Chandanmal Santhilal Dungarwal, Chennai
254.	Sh. Ramesh Kumar Mahendra Kumar, Chennai
255.	Sh. Gautam Chand Mahaveerchand Pipda, Chennai
256.	Sh. Nemi Chand Ranjeet Merlacha, Chennai
257.	Sh. M. Mahaveer Chand Ranjit Kumar
258.	M. M. Jewellery
259.	Sh. Chainraj Mahendra Kumar Darla, Arkonam
260.	Sh. S. M. Mithala Sanjay Kumar Devne, Arkonam
261.	Sh. Nemichand Arihant Kumar Darla, Arkonam
262.	Sh. Prakash Chand Kishan Lal Darla, Arkonam
263.	Sh. Kamal Chand Yogesh Devda, Arkonam
264.	Sh. Gajraj Himanshu Bardia, Arkonam
265.	Sh. Kishanlal Danmal Gulecha, Arkonam
266.	Sh. Methalal Ranjeet Kumar Manoj Kuamr Banthia
267.	Sh. Mohan Lal Deepak Kumar Darla, Arkonam
268.	Sh. Mahaveer Chand Gautam Chand Chandlia
269.	Shree Jain Foods, Chennai
270.	Sh. Subhas Ghorawat, Chennai
271.	Ply Port, Chennai

S.No.	Name of Donor
272.	Sh. Umed Chand Betala, Chennai
273.	Sh. Ajay Diamonds, Chennai
274.	Sh. Ajeet Kumar Sethia, Chennai
275.	Sanico, Chennai
276.	DSC Pipes and Tubes Pvt Ltd. , Chennai
277.	Sh. Ramesh Kumar Harish Kumar Bubkiya, Chennai
278.	Sh. Rajendra Kumar Sethiya, Purushvakam, Chennai
279.	Sh. Lalith Kumar Chander Prakash Bubkiya, Chennai
280.	Sh. Shantilal Rajesh Kumar Sonchethe, Minjur
281.	Sh. Hasmukh Kumar Pankaj Kumar Bhansali
282.	K. Meena Bai, Chennai
283.	Sh. Jawharlal Ramesh Kumar Mutha, Chennai
284.	Sh. Tarun Kumar Varun Kumar Mutha, Chennai
285.	Thorat Transport Service
286.	Shree Shyam Cargo Movers
287.	Reetika Roadlines
288.	New Ajmer TRL Service
289.	Shree Sai Ram Transport
290.	Gouri Transport Service
291.	Deol Trailor Service
292.	Eastern Trailor Service
293.	Eastern Trailor Organization
294.	Radha Roadways
295.	Bumbay Punjab Roadways
296.	Ajaymeru Trailor Service
297.	Kamal Carin Service
298.	Disha Logistic
299.	Dimond Trailor Service
300.	Mahaganesh Transport Service
301.	S. M. Logistic
302.	BRC Trailor Service
303.	Anil Colors, Chennai
304.	M/s Saritha Santhod Chantaliya
305.	Nageshwar Jewellers
306.	Sh. Narendra Kumar Prateek Kumar Dungar
307.	Sh. Susheelji Thatiya
308.	Anil Lalith Jewellers
309.	Jay Kumar Pankaj Baid
310.	Sajjan Kumar Sanjay Kumar A. Jewellers
311.	Sh. Mahaveerchand Arvind Pawan Saklecha
312.	Sh. N. Ashok Gadhiya, Kanchipuram
313.	Sh. N. Hemath Kumar Gadhiya, Kanchipuram
314.	Sh. N. Kamalchand Gaghiya, Kanchipuram
315.	Sh. L. Porasmullji Vijay Kumar Hardik, Davani
316.	Sh. Vimal Kumar Naveen Ranka
317.	Sh. Raj Kumar Padmendar Chachegd, Purasai
318.	Sh. Methabai Visoatal K. Toriya, Triplicane
319.	Sh. Suganibai Sohanraj Katariya, Triplicane, Maruad
320.	Sh. Gauthamchand Singvi, Triplicane
321.	Shri Jain Swetamber Terapanthi Sabha
322.	Sh. S. Rameshkumar Eswarlal Rajeshkumar Singhvi
323.	K. S. Jewellers, Chennai
324.	Sh. Devichand Mahendar Kumar Dugar
325.	Sh. Sunil Kumar Manish Kumar Soni
326.	Sh. Ashok Kumar Ashish Soni

Upcoming Events

S.No.	Date	Event/Programme	Name of Department
01.		XXIII World Congress of Philosophy, Athens, Greece	Dept. of Jainology and Comparative Religion & Philosophy
02.	29-31 August, 2013	Youth Camp (3 days)	Dept. of Nonviolence and Career & Counselling Cell
03.	30 August, 2013	National Workshop	AKKM and Career & Counselling Cell
04.	14 September, 2013	Career Fair	AKKM
05.	21-22 September, 2013	Relative Economics	Dept. of Jainology
06.	23 Sep. - 07 Oct.	Soft Skill Training Trip, Kolkata	Acharya Kalu Kanaya Mahavidyalaya
07.	29-30 September, 2013	National Seminar	Dept. of Nonviolence and Peace
08.	05-06 October, 2013	National Seminar	Dept. of Education
09.	05-06 October, 2013	Regional Coordinator's Meeting	Directorate of Distance Education
10.	07-08 October, 2013	National Workshop	Dept. of Education
11.	07-08 October, 2013	National Seminar	Dept. of Sanskrit & Prakrit and Dept. of Jainology
12.	15-17 October, 2013	National Seminar	Dept. of SOL, PM & Yoga
13.	19-20 October, 2013	National Seminar	Dept. of English
14.	30 October, 2013	Convocation Programme	JVBI

New Publications

Reaccredited Grade-A by NAAC

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत घोषित

मान्य विश्वविद्यालय

M.A. M.S.W. M.Phil. Ph.D.

B.A./B.Com. B.C.A./B.Lib. B.Ed. M.Ed.

Placement Assistance · Separate Hostels for Male & Female · Scholarship Facility · Internet Facility · Coaching for Competition Exams

विशेषताएँ

• राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा समाजोपयोगी कार्यक्रम • व्यक्तित्व विकास शिविर द्वारा मूल्यपरक शिक्षण एवं प्रशिक्षण • शैक्षिक भ्रमण • राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में संभागिता • महाविद्यालय परिसर में बुक बैंक व्यवस्था उपलब्ध • अंग्रेजी संभाषण एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण जैसे पाठ्यक्रमों में रियायती शुल्क पर प्रशिक्षण • योग्य अनुभवी शिक्षक एवं प्रबुद्ध समणी वर्ग द्वारा विशेष अध्यापन • आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित अंग्रेजी संभाषण एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रयोगशाला लेबोरेटरी • शान्त, सुरक्षित, अनुशासित एवं प्रदूषण मुक्त परिवेश • सभी पाठ्यक्रम यू.जी.सी. एवं भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त • संभाषण, लेखन, खेलकूद, साहसिक एवं रोमांचक खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में विशेष अवसर • समृद्ध एवं विशाल पुस्तकालय की व्यवस्था • छात्रावास एवं जिम की सुविधा • प्राच्य विद्याओं का अध्ययन करने वाले छात्रों को स्कॉलरशिप देने का प्रावधान • प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रशिक्षण (NET, JRF, CA and CS) • विषयों से सम्बन्धित विशेष कोचिंग कक्षाएं।

नियमित पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम.ए.

• जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन • दर्शन • संस्कृत • प्राकृत • हिन्दी • जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग • क्लीनिकल साइकोलॉजी • अहिंसा एवं शान्ति • राजनीति विज्ञान • समाज कार्य • अंग्रेजी • एम.एड. (उपरोक्त सभी विषयों में पी-एच.डी. सुविधा)

एम.फिल.

• जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन • अहिंसा एवं शांति • प्राकृत एवं जैन आगम

स्नातक पाठ्यक्रम

• बी.ए. • बी.कॉम. • बी.सी.ए. • बी.लिब. • बी.एड. (केवल महिलाओं के लिए)

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

• स्टडीज इन जैनिज्म • नेचुरोपैथी • प्रेक्षा योगा थैरेपी • एन.जी.ओ. मैनेजमेण्ट • बैंकिंग • रूरल डेवलपमेण्ट • जेण्डर इम्पॉवरमेण्ट • कॉरपोरेट सोसियल रिस्पोन्सिबिलिटी • ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेण्ट • काउन्सलिंग एण्ड कम्युनिकेशन • राजभाषा अध्ययन

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

• प्राकृत • अहिंसा एवं शांति • जर्नलिज्म एण्ड मास मीडिया • कम्यूनिकेशन इन इंग्लिश • इन्स्ट्रक्शनल मैथड एण्ड मीडिया • एजुकेशनल साइकोलॉजी • योग एवं प्रेक्षाध्यान

पत्राचार पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

• जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन • शिक्षा • हिन्दी • जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग • अंग्रेजी • अहिंसा एवं शांति

स्नातक पाठ्यक्रम

• बी.ए. • बी.कॉम. • बी.लिब.

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

• अहिंसा प्रशिक्षण • अण्डरस्टेंडिंग रिलिजन • जैन धर्म एवं दर्शन • ह्यूमन राइट्स • जैन आर्ट एंड एस्थेटिक्स • ज्योतिष विज्ञान • प्राकृत • प्रेक्षा लाईफ स्कील

बी.पी.पी. पाठ्यक्रम

वे आवेदक जो 10+2 उत्तीर्ण नहीं हैं अथवा प्राथमिक औपचारिक योग्यता नहीं रखते हैं, लेकिन 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर चुके हों, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बी.पी.पी. परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

फोन : 01581-226110, 224332, 226230 फैक्स : 227472 web : www.jvbi.ac.in e-mail : jvbiladnun@gmail.com